E-NEWSLETTER

Bulletin : ISSUE
January
to
March 2023

GRIZZLY COLLEGE OF EDUCATION

NAAC Accredited with 'B'Grade

Recognised by ERC, NCTE, Bhubaneswar, Affiliated to Vinoba Bhave University, Hazaribag & JAC, Ranchi

JHUMRI TELAIYA, DISTT. KODERMA, (JHARKHAND) - 825409

मनीष कपिसिमें
अध्यक्ष

अविनाश सेठ
सचिव

From The Directors' Desk

ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन विनोबा भावे विश्वविद्यालय के अंतर्गत एक उत्कृष्ट संस्थान के रूप में अपने नाम को स्थापित कर चुका है। शिक्षा जगत में इस महाविद्यालय का नाम सम्मान पूर्वक लिया जाता है। इसका मूल कारण है कि हम सब एक परिवार के सदस्य हैं चाहे वह प्रशिक्षु या शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मी हो, प्राचार्य के सशक्त नेतृत्व में महाविद्यालय सफलता की ऊंचाई को छूने में प्रतिबद्ध है। इस नव वर्ष में महाविद्यालय नई-नई आयामों को प्राप्त करें। ऐसी शुभकामनाओं के साथ मैं महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रशिक्षु एवं सभी शिक्षक शिक्षकेतर कर्मियों को नए वर्ष का हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त करते हैं।

डॉ संजीता कुमारी
उपनिदेशिका

From The Deputy Director's Desk

हमें प्रसन्नता है कि प्राचार्य के सकारात्मक निर्देशन में महाविद्यालय दिन प्रतिदिन आधुनिक तकनीकों से नई-नई ऊंचाइयों को छू रहा है यहां के प्रशिक्षु आधुनिक तकनीकी को शिक्षा में प्रयुक्त कर नवाचार के माध्यम से अपने आपको एक सफल शिक्षक के रूप में स्थापित कर सकेंगे। विकास की गति शासवत रहें इन्हीं शब्दों के साथ हम अपनी प्रतिभावान और निष्ठावान सभी प्रशिक्षु शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मियों को नव वर्ष की ढेर शुभकामनाएं व्यक्त करती हूँ।

डॉ (प्रो0) बी0सी0 स्वैन
प्राचार्य

From The Principal's Desk

प्रस्तुत सूचना पत्र महाविद्यालय के नववर्ष के प्रारंभिक तीन महीनों में किए गए विभिन्न कार्यक्रमों के रचनात्मक कार्यो का संकलन है।

महाविद्यालय जनवरी से मार्च माह के दौरान प्रशिक्षुओं के सर्वांगीण विकास हेतु कक्षाओं के आयोजन के साथ पाठ्येतर गतिविधि नवागंतुक प्रशिक्षुओं का उन्मुखीकरण कार्यक्रम, साक्षरता दिवस, राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता, गणतंत्र दिवस, पौधारोपण कार्यक्रम, सरस्वती पूजा, युवा दिवस, सात दिवसीय एन.एस .एस. कैंप, डी.एल.एड. सत्र (2020-22) फेयरवेल, बी.एड.सत्र (2022-24) इनॉग्रल कार्यक्रम, एन. डी. एल। आई. वेबीनार, शहीद दिवस, उपभोक्ता जागरुकता कार्यक्रम, जल दिवस, एन.एस.एस. सर्वे तथा एंटीरैगिंग जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। उक्त सभी कार्यक्रमों में हमारे महाविद्यालय के प्रतिभावान प्रशिक्षु शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मी ने सफलता पूर्वक संपन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की मैं अपने महाविद्यालय के अध्यक्ष, सचिव, डिप्टी डायरेक्टर प्रशिक्षु एवं शिक्षक शिक्षकेतर कर्मियों को नव वर्ष की हार्दिक बधाई व्यक्त करता हूँ।

Induction cum Orientation Programme

Literacy Day

State Level Essay Competition

Republic Day

Plantation

Saraswati Puja

Yuva Diwas

7 day NSS Camp

D.El.Ed. Farewell Session (2020-22)

Inaugural Programme - 2023

NDLI Webinar

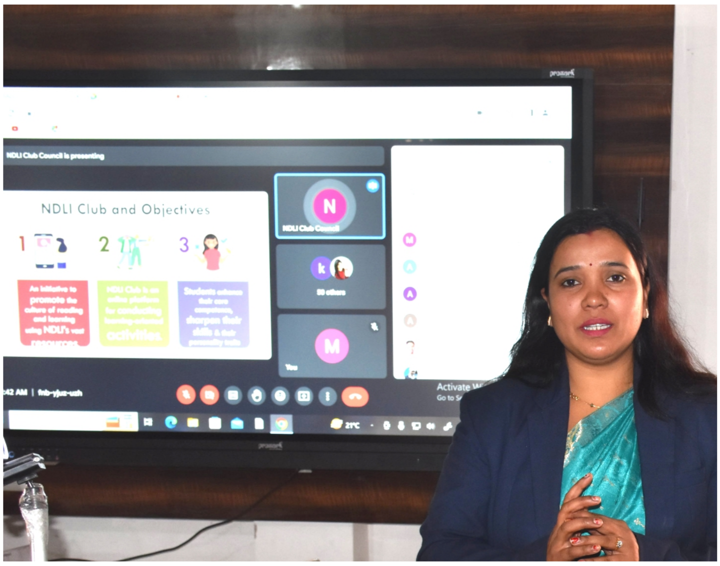

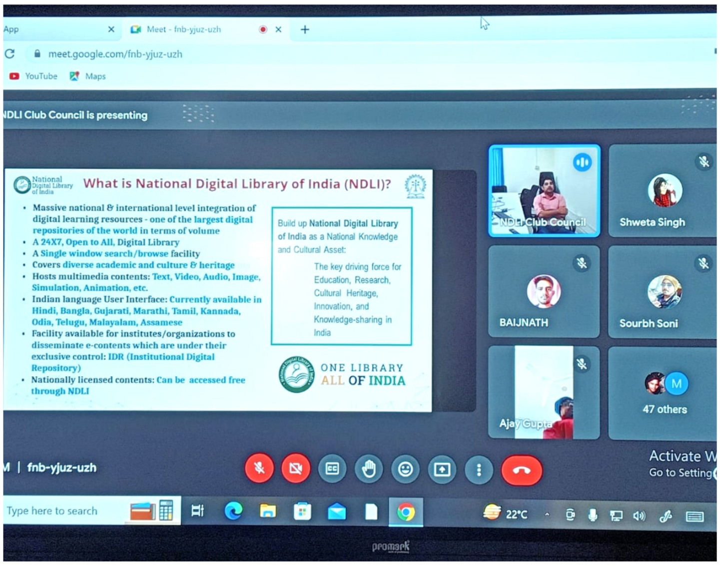

Anti-Rangging awareness Programme

Shaheed Diwas

World Water Day

Consumer Awareness Programme

NSS Survey

GRIZZLY COLLEGE OF EDUCATION
GPS Map
Jhumri Telaiya, Jharkhand, India
CGG4+X2F, Gumo Path, Satpulia, Jhumri Telaiya,
Jharkhand 825409, India
Lat 24.427848°
Long 85.50511°
29/03/23 03:30 PM GMT +05:30

GPS Map Cam
कोडरमा, झारखंड, भारत
CGH3+FR7, कोडरमा, झारखंड 825409, भारत
Lat 24.428563°

GRIZZLY COLLEGE OF EDUCATI
N.S.S. WING
NOT ME BUT YOU
GPS Map Came
कोडरमा, झारखंड, भारत
CGH3+FR7, कोडरमा, झारखंड 825409, भारत
Lat 24.428563°
Long 85.505004°
29/03/23 03:38 PM GMT +05:30

GPS Map Can
Google
कोडरमा, झारखंड, भारत
CGH3+FR7, कोडरमा, झारखंड 825409, भारत
Lat 24.428563°
Long 85.505004°
29/03/23 03:44 PM GMT +05:30

क्यूँ कोख में मरती बेटियाँ ?

खुशबू रानी
अनुक्रमांक : 46
बी0एड0 : 2022—24

बुलंद इरादों के पन्नों पर, रची जिसने इतिहास यहाँ।
लक्ष्मी हैं घर की ये पर क्यूँ कोख में मरती बेटियाँ ?
बन डोरी यह इस समाज की, रिश्तों को प्यार में बाँधी है।
धनवान बनाती निर्धन को यहाँ, रोम-रोम से दया का यह बहाती है।
फिर भी.. दिया न देखने इस जग को तूने, है किया बेटियों ने क्या गुनाह ?

सजाती कण-कण को स्नेह से यह, बस एक बार कोख में दे तू पनाह ।
मर्म वही जो हर दुख को सह, ले आती धरा पर बन समरूप किरण ।
बोझ नहीं यह, लगा तू गले, है वसुधा की ये अमूल्य कंचन ।।
पूजनीय है, जो इस धरा पर, ''घर भी मंदिर'' कहलाता है।
युग – प्रवर्तकों के वचनों में यह, देवी रूप कहलाती है ।।

मत! मत ! मार अब इसे तू, बस इक झलक तू संसार दिखा।
सींचता कण-कण को संस्कारों से यह, है खुशी की ये अनूठी गाथा ।।
हो चली बेटियाँ प्रबल आज, नारी शक्ति अभिमानी है।
हर बेटियाँ ने झांसी की रानी बनकर इतिहास बदलने की ठानी है ।।
अब तो पदो से ना इसे ढँक तू, कब तक खरी-खोटी सुनानी है।
अब सोच बदल ले जग सारा, यह रंक नही, महारानी है ।।

नेमत है खुदा की ये पर, बोझ नहीं तू समझ लेना ।
रीतियों की बचाव को लेकर, मत इसे तू बेच देना ।।
जरा सोचा, खिलने वाली कली भी जब, पूर्व खिलने से मुरझायेगी ।

खुशियाँ छीन जायेगी सारी, बोलो अस्तित्व कैसे बच पाएगी ?
दहेज के आग में अब भी, क्यूं झोंकते हो इन परियों को ?
अब सोच बदल ले जग सारा, हक जीने का दो इन बेटियों को ।।

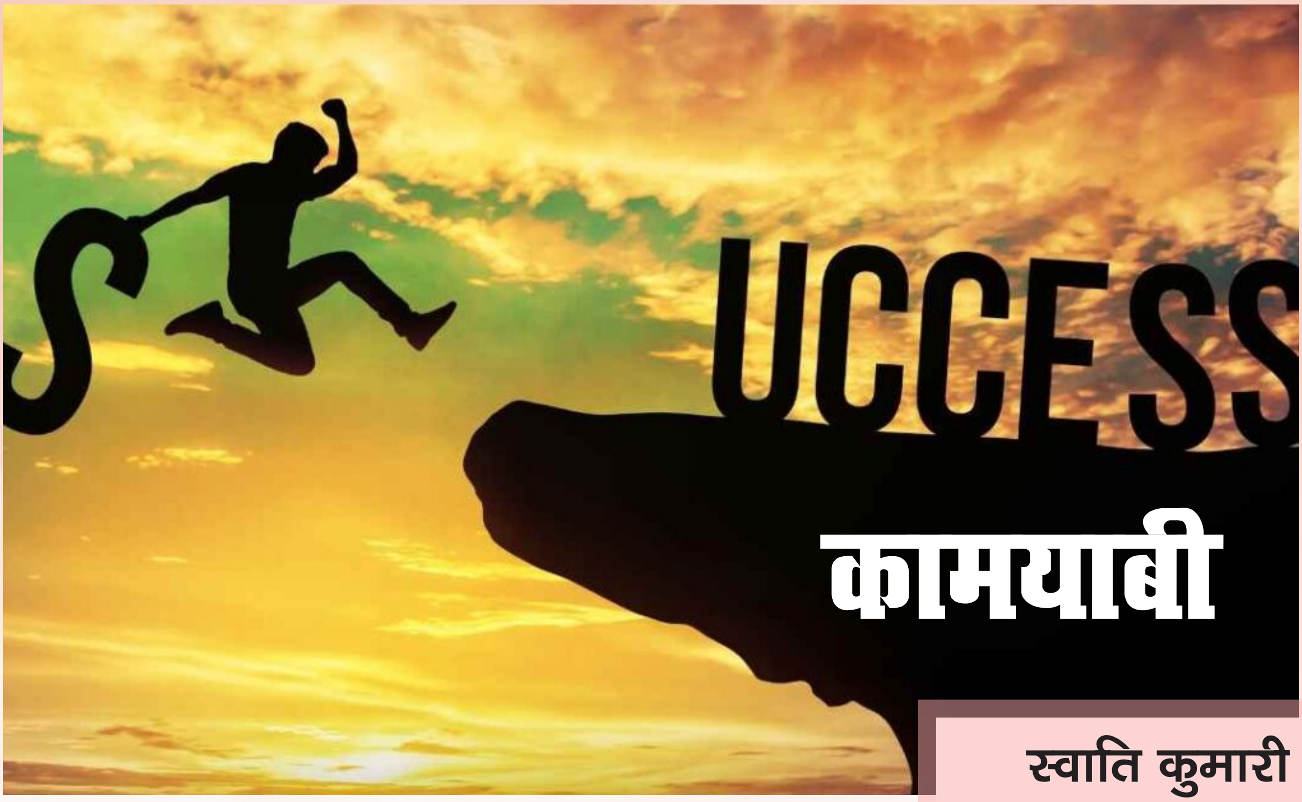

स्वाति कुमारी
अनुक्रमांक : 80
बी0एड0 : 2022–24

ख्वाब देखना ही है तो ऊंचा देख,
नीचा दिखाने के लिए जमाना होगा।
बढ़ना ही है तो आगे बढ़,
पीछे खींचने के लिए जमाना होगा।
चलना ही है तो अकेला चल,
महफिल में चलने के लिए जमाना होगा।
उड़ना ही है तो हौसलों की उड़ान भर,
ताने सुनाने के लिए जमाना होगा।
करना ही है तो कुछ बड़ा कर,
तालियां बजाने के लिए जमाना होगा।
तेरी कामयाबी पर तारीफ और कोशिश पर ताना होगा,
तेरे दुख में कुछ लोग
और सुख में जमाना होगा।
मत डर तू कोशिश करने से ऐ मेरे दोस्त,
तेरी कामयाबी पर शोर मचाने के लिए सारा जमाना होगा।।

सोनू कुमार वर्णवाल
अनुक्रमांक : 15
बी0एड0 : 2022–24

लिया जन्म जो इसी धरा पे
गुरु,भगत, सुखदेव यही नाम थे
भारत मां की खातिर जिसने
जिसने धरे अनेकों भेष ।
आजादी की स्वर गूंजी थी
कराया इन्होंने आजाद धरती
जिस देश की खातिर बलिदान दिए वो
वो कल भी थे , वो आज भी हैं ।
दिखाया जिसने आजादी के सपने
सभी ने देखा वो कल अपने
चूमा था जिसने फंदे को अपने
शहीद हुवे थे वो तीन अपने ।
रोया था उस दिन सारा जहां
भीगी थी जो धरती वो सतलज थी
नमन है उनकी शहादत को मेरा
झुका है सर, देख कर उनके जज्बे को ।।

खोज

रंजीत कुमार यादव

अनुक्रमांक : 05

बी0एड0 : 2022–24

खोज खोज के ‘खोज’ को खोजो
खोज एक बड़ी ‘खोज’ है,
खोज के ‘खोज’ को जो खोज सका ना
खोजो वह कैसा ‘खोज’ है
‘खोज’ करने का सबका अधिकार है
परष ‘खोज’ के भी कई प्रकार है ।
कहीं मतलबी ‘खोज’ है
तो कहीं ईर्ष्यालु ‘खोज’ है
कहीं प्यार भरी ‘खोज’ है
तो कहीं झगड़ालू ‘खोज’ है
कहीं रंगभेद खोज है
कहीं नस्लभेद की खोज है।
तो कहीं आतंकी ‘खोज’ है
कहीं अच्छी खोज है
तो कहीं बुरी ‘खोज’ है
और कहीं झूठी ‘खोज’ है
‘खोज’ में अपनी इंसानियत लाओ।।

राजन कुमार
अनुक्रमांक : 10
बी0एड0 : 2022–24

- राजा हरिश्चंद्र से : सत्यवादिता
- गांधी जी से : अहिंसा
- बच्चों से : सरलता
- महाराणा प्रताप से : वीरता
- सुभाष चंद्र बोस से : देशभक्ति
- विनोबा भावे से : सादगी
- अशोक से : दया
- कर्ण से : दान वीरता
- शास्त्री जी से : दृढ़ता
- प्रह्लाद से : भक्ति
- चाणक्य से : राजनीति
- फूलों से : मुस्कान
- पेड़ों से : परोपकार

सुहैल अख्तर
अनुक्रमांक : 75
बी0एड0 : 2022—24

आज हमर माने परल
एक दिनेक बात
नदी घाटे पत्थर ऊपर
एक पथिकेक साथ
बादल जहल नादिक धार
छाती तरंगेक दल
रकम रकम खेले खेले रत
काने मधुर कल कल
अचल अचल तारेक पथल
पासे पीपर गाछ
कदी जाहल ? ककर ठिन्न
कहे लेकर बात
कोन बिरहानिक शासन कक्ष
आने नातुत प्रीति
चंदन परसे सीतल होत
ककर जरल गीत...........

सूरज कुमार
अनुक्रमांक : 21
बी0एड0 : 2022–24

Hold fast to dreams
For if dreams die
Life is a broken-winged bird
That cannot fly.
Hold fast to dreams
For when dreams go
Life is a barren field
Frozen with snow.

Nothing Gold Can Stay

निखत प्रवीन
अनुक्रमांक : 1201
बी0एड0 : 2021–23

Nature's first green is gold,
Her hardest hue to hold.
Her early leaf's a flower;
But only so an hour.
Then leaf subsides to leaf,
So Eden sank to grief,
So dawn goes down to day
Nothing gold can stay.

Achievements

100% Attendance for the month January 2023

Name	Roll
Rajan Kumar	10
Jyoti Kumari	10

100% Attendance for the month February 2023

Name	Roll
Ranjeet Kumar Yadav	05
Sourabh Kumar Soni	12
Jitendra Yadav	13
Sonu Kumar Barnwal	15
Umesh Kr. Dangi	18
Jyoti Kumari	20
Suraj Kumar	29
Nitish Kumar	38
Khushboo Rani	46

100% Attendance for the month March 2023

Name	Roll
Ranjeet Kumar Yadav	05

Editorial Board

Chief Editor :-

Prof. Dr. B. C. Swain

Editor :-

Mr. Manish Kumar Paswan

Editorial Board Students :-

Suraj Kumar Singh

Vikram Dangi

Shabnam Praveen

To